वार्षिक पाठ्यक्रम योजना
सत्र 2020-21
विषय संस्कृत
कक्षा – आठवी
अप्रैल– सितंबर

दूरदर्शिताः छात्राओं में संस्कृत भाषा के प्रति रूचि जागृत होगी तथा छात्राओं में संस्कृत वाचन व लेखन शक्ति का विकास होगा।

पाठ का नाम	अभिनव शिक्षा शास्त्र / संक्रमण रणनीतियाँ	अध्ययन के परिणाम
1. सुभाषितानि	लयपूर्वक श्लोकों का उच्चारण करना। सुभाषित शब्द का अर्थ स्पष्ट करना। अन्वय करते हुए श्लोकों का अर्थ स्पष्ट करना। कविता के प्रत्येक श्लोक के भाव का स्पष्टीकरण करना छात्राओं को श्लोक गायन के लिए प्रेरित करना। ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से छात्राओं को पाठ पढ़ाना। शिक्षण को प्रभावशाली तथा सुगम बनाने हेतु छात्राओं को पीपीटी सांझा करना।	प्रस्तुत श्लोकों के द्वारा छात्राओं में जीवन को सफल बनाने वाले नैतिक मूल्यों का विकास होगा। छात्राएँ सुक्तिमंजरी, नीतिशतकम् व मनुस्मृति के श्लोकों से परिचित होगी। छात्राएँ पद्य गायन की भाषा का उपयोगी समझेगी। विषय वस्तु में समाहित कठिन अंश का प्रश्न उत्तर द्वारा विश्लेषण कर छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित होगी।
2. डिजीभारतम	ुद्ध एवं उच्च उच्चारण के साथ पाठ का वाचन छात्राओं द्वारा करवाना छात्राएं की सहभागिता सुनिश्चित करना वैज्ञानिक तकनीक की उन्नति से छात्रों को अवगत कराना ऑनलाइन कक्षा का उदाहरण देकर छात्राओं को विषय स्पष्ट करना छात्राओं में ज्ञानात्मक विकास उत्पन्न करना	प्रस्तुत पाठ द्वारा छात्राएं जान पाएंगी कि आज एक क्लिक के द्वारा बहुत कुछ कर सकते हैं इंटरनेट ने हमारे जीवन को बहुत सरल बना दिया है। रचनात्मक कार्य देकर छात्राओं में मानसिक शक्ति का विकास करने का प्रयास किया जाएगा। छात्राओं में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न होगी।

3. कण्टकेनैव कण्टकम्	ऋकारांत स्त्रीलिंग का ज्ञान करवाना। पंत्रतंत्र की शैली से परिचित करवाना। संधि के नियमों का ज्ञान करवाना। क्त्वा व तुमुन प्रत्यय से अवगत कराना। छात्राओं को शुद्ध उच्चारण का शिक्षण देना। ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से छात्राओं को पाठ पढ़ाना।	प्रस्तुत पाठ के अंतर्गत छात्राएँ जान पाएँगी कि प्रत्युत्पन्न एवं कुशाग्र बुद्धि से सब कुछ संभव है। छात्राएँ भूतकाल के धातुरूप का प्रयोग करने में सक्षम होंगी। ऋकारांत संबंधी दिए गए उदाहरणों द्वारा विषय को आसानी से समझने में सक्षम होगी।
4.भारतजनताऽहम्	छात्राओं को भारत की जनता की विशेषताओं से अवगत कराना। विविध कौशलों रुचि आदि का उल्लेख करना। प्रत्येक श्लोक का अर्थ स्पष्ट करना। ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से छात्राओं को पाठ पढ़ाना।	प्रस्तुत पाठ के द्वारा छात्राएं जान पाएंगे कि भारत की जनता में अनेक विशेषताएं हैं छात्राएं संधि विच्छेद का ज्ञान प्राप्त कर पाएंगी। तथा उनके मन में भारत की जनता के प्रति आदर सम्मान उत्पन्न होगा।
5. शब्द रूप फल, नदी, तत् पुलिंग	ईकारांत पुलिंग के शब्द रूप से छात्राओं को अवगत कराना। शिक्षण के दौरान स्क्रीन शेयरिंग के द्वारा छात्राओं को विषय स्पष्ट करना। शिक्षण को प्रभावशाली बनाने हेतु छात्राओं को पीपीटी भेजना। शिक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर स्क्रीन को सांझा करना।	छात्राएं शब्द रूप को समझने , ,लिखने पढ़ने और बोलने के लिए प्रेरित होंगी तथा उन्हें व्याकरण के नियमों की जानकारी होगी। छात्राओं में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न होगी।
6. धातु रूप पा,लिख,खाद, अस् लट् लकार और लंड् लकार	पूर्व ज्ञान के आधार पर छात्राओं को विषय स्पष्ट करना। धातु रूप से संबंधित प्रश्न पूछ कर छात्राओं की सहभागिता निश्चित करना। शिक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर स्क्रीन को सांझा करना।	छात्राएं धातु रूप को समझने , ,लिखने पढ़ने और बोलने के लिए प्रेरित होंगी तथा उन्हें व्याकरण के नियमों की जानकारी होगी। छात्राओं में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न होगी।
7.अपठित गद्यांशः	गद्यांश का हिंदी भाषा में स्प्ष्टीकरण करना। छात्राओं को	अपठित गद्यांश का स्पष्टीकरण के पश्चात छात्रा उनके

	गद्यांश संबंधी नियमों से अवगत कराना।	पदपदेन, पूर्णवाक्येन अदि प्रश्नों को हल कर पाएँगी।
8.संधि दीर्घ ,गुण ,वृद्धि	छात्राओं को संधि के नियमों से अवगत कराना। शिक्षण को सुगम बनाने हेतु पीपीटी सांझा करना। कुछ स्थानों पर स्क्रीन शेयरिंग सांझा करना। प्रत्येक संधि को उदाहरण सहित स्पष्ट करना।	प्रस्तुत पाठ के द्वारा छात्राएं व्याकरण के नियमों से अवगत होंगी।छात्राएं जान पाएंगी की संधि के नियम क्या क्या है और उनका प्रयोग कैसे किया जाता है।
	अक्टूबर – मार्च	
पाठ का नाम	**अभिनव शिक्षा शास्त्र / संक्रमण रणनीतियाँ**	**अध्ययन के परिणाम**
9. सप्तमगिन्यः	पाठ का अर्थ स्पष्ट करते हुए सप्तभगिन्य का मतलब बताना। संवाद विधि का अर्थ स्पष्ट करना। प्रत्ययों को स्पष्ट करना। सात राज्यों की सांस्कृतिक व सामाजिक विशेषता को पाठ द्वारा बताना।	प्रस्तुत पाठ द्वारा छात्राएँ यह जानने में समर्थ होगी कि भारत देश की उत्तर पूर्व दिशा में स्थित सात प्रांतों को सप्तभगिनी कहते हैं। छात्राएँ तुमुन प्रत्यय के संयोग से वाक्य निर्माण कर पाने में समर्थ होगी। छात्राएँ प्रकृति व प्रत्यय को अलग कर पाने में समर्थ होगी।
10. नीतिनवनीतम्	श्लोकों का लयपूर्वक उच्चारण करवाना। मनुस्मृति के बारे में छात्राओं को जानकारी देना। अव्यय का ज्ञान करवाना। संधि–विच्छेद द्वारा कठिन शब्दों का उच्चारण स्पष्ट करना।	छात्राएँ सदाचार से संबंधित ज्ञान प्राप्त करने में समर्थ होंगी। श्लोकों का अन्वय कर उनका अर्थ समझने में समर्थ होगी। श्लोकों का उच्चारण वाचन व गायन कर पाने में समर्थ होगी।
11. सावित्री बाई फुले	छात्राओं की साहित्य के प्रति रूचि उत्पन्न करना। वाचन कौशल का विकास करना। कठिन शब्दों के अर्थ बताकर विषय स्पष्टीकरण करना। छात्राओं को सावित्री बाई द्वारा महिलाओं के लिए किए गए कार्यों से अवगत कराना।	इस पाठ के द्वारा छात्राएँ स्त्री शिक्षा के लिए संघर्ष करने वाली सावित्री बाई फुले के योगदान का ज्ञान प्राप्त करेगी। पाठ के द्वारा छात्राओं को लकार परिवर्तन का ज्ञान होगा। छात्राएँ पाठ में आए शब्दों द्वारा स्वरचित वाक्य

		बनाने में समर्थ होगी।
12.कः रक्षति कः रक्षितः	संवाद विधि के द्वारा छात्राओं को पाठ स्पष्ट करना। छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रश्न पूछना। प्रत्येक गद्यांश का अर्थ स्पष्ट करना। वृक्षारोपण पर बल देना।	प्रस्तुत पाठ के द्वारा छात्राएं स्वच्छता और पर्यावरण सुधार के नियमों से अवगत होंगी जान पाएंगी कि हमें किस प्रकार से अपने वातावरण को स्वच्छ रखना चाहिए और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए तथा प्लास्टिक का प्रयोग कम से कम करना चाहिए।
13.व्याकरण शब्द रूप, धातु रूप, अव्यय, प्रत्यय, चित्रवर्णन, अपठित गद्यांश पत्र लेखन संधि यण,अयादि, पूर्व रूप संधि	अकारांत, इकारांत, उकारांत तथा अकारांत के प्रत्ययों का ज्ञान करवाना। स्मार्ट बोर्ड की सहायता से विषय स्पष्टीकरण करना। लृट्, लङ लकार के धातु रूप का स्पष्टीकरण करना। क्त्वा व तुमुन प्रत्ययों के नियमों का उदाहरण द्वारा स्पष्टीकरण करना, चित्रवर्णन के अंतर्गत छात्राओं को वाक्य निर्माण के नियमों को समझाना। पत्र लेखन व अपठित गद्यांश का स्मार्ट बोर्ड की सहायता से स्पष्टीकरण करना। छात्राओं को संधि के नियमों से अवगत कराना। प्रत्येक संधि को उदाहरण सहित स्पष्ट करना।	शब्दरूप व धातुरूप के अंतर्गत छात्राएँ कर्ता का क्रिया के साथ प्रयोग कर वाक्य निर्माण करने में समर्थ होगी। इसी प्रकार अव्यय व प्रत्यय का प्रयोग जान पाऐंगी। चित्रवर्णन द्वारा चित्र को देखकर स्वरचित वाकय बनाने व पत्र लेखन के रिक्त स्थान पूर्ति करने में समर्थ होगी।